Q) विवश छोटा भाई सालों बाद क्षमा माँगते हुए अपने बड़े भाई को पत्र लिखता है। वह पत्र लिखें।

(अथवा)

'भाई ही मुझे क्षमा कर सकते हैं, जिन्हें मेरे झूठ का दंड भोगना पड़ा'। इस प्रसंग को लेकर लेखक, भाई को पत्र लिखता है। पत्र तैयार करें।

(अथवा)

'तो इस अपराध के लिए मुझे क्षमा कौन कर सकता है' – पश्चाताप से विवश छोटा भाई सालों बाद क्षमा माँगते हुए अपने बड़ा भाई को पत्र लिखता है। वह पत्र लिखें।

उत्तर:

शहडोल,
15.03.2016

प्रिय भाई,

आप कैसे हैं? कुशल में हैं न? आप जैसे एक भाई होना मेरा बड़ा सौभाग्य है।

भाई, मैं आप से एक बात साफ बताना चाहता हूँ। उस दिन मेरा खड़ब्बल चट्टान से टकराकर उछला और सीधे मेरे माथे पर आकर लगा। माथा फूट गया और खून बहने लगे। मैंने रोते हुए माँ को बताया कि मुझे आपने खडब्बल से मारा है। भाई! मुझे अच्छी याद है, इस पर आपको पिताजी से बहुत मार खाना पड़ा।

आज मैं पश्चाताप से विवश हूँ। आप के पैर पकड़कर क्षमा माँगता हूँ। मुझे क्षमा देंगे न? आप तो पहले ही बहुत अच्छे चरित्र के थे। आप शरीर और दिल दोनों में सुन्दर थे। मेरा अपराध क्षमा कीजिए..... कृपया क्षमा कीजिए.... आपको भागवान सदा संतुष्ट रखें.....

(हस्ताक्षर)
आपका छोटा भाई

सेवा में,
जोन के.के.
सुन्दर घर,
बड़ा गाँव पी.ओ.

Q) स्मृति में जब भी वे आँखें जाग उठती हैं, मेरी पूरी चेतना, ग्लानि, बेचैनी और अपराध-बोध से भर उठती है। छोटे भाई की प्रायश्चित भरी वाणी है। आवश्य ही आपको या आपके ..... को ऐसा कोई अनुभव हुआ होगा। उस अनुभव का वर्णन करें।

उत्तर:

जब मैं पाँचवीं कक्षा में पढ़ रहा था, तब मेरी जिंदगी में एक घटना हुई। उदय प्रकाश की 'अपराध' कहानी में वर्णित घटना के समान था वह घटना। 'अपराध' के कथापात्रों के समान माँ-बाप के लिए हम दो ही संतान थीं तब घर में। मैं और मेरा छोटा भाई। मैं स्वभाव से तेज़ था। कोपशील और स्वार्थ भी था। लालच भी था।

माँ ने एक दिन घर में बिरियाणी बनायी थी। खाने के समय के लिए बिरियाणी को माँ ने सुरक्षित रखा था। माँबाप खेत गये। इस अवसर का लाभ उठाकर मैंने बिरियाणी चोरी की। जब माँ वापस आयी, तब माँ को मालूम हुई कि बिरियाणी कम हो गयी है। माँ ने मुझे बुलाकर पूछा। लेकिन मैंने माँ से झूठ बोला कि छोटा भाई ने चोरी की है। बड़ी निपुणता से मैं ने माँ को समझाया कि मैं ने यह चोरी देखी है। मेरी बात को माँ ने विस्वास किया। छोटे भाई को पकड़कर माँ ने खूब मारा। छोटा भाई बड़ी आवाज में रोता था।

आज वर्ष अनेक बीत गये। छोटे भाई के विवाह का शुभदिन आ रहा है। मैंने यह निश्चय किया है कि शादी के पहले मैं अपने अपराध को छोटे भाई के सामने बताकर माफी माँगूगा।

Q) बड़े भाई के विरुद्ध छोटे भाई से हुए अपराध के बारे में बताकर अपने मित्र के नाम पत्र लिखता है। वह पत्र तैयार कीजिए।

उत्तर:

स्थान,

तारीख,

प्रिय मित्र,

मेरी बात जानकर तुम असंतुष्ट हो जाओगे कि यह कितनी पुरानी बात है! लेकिन मेरे मन में यह अब भी एक काँटा जैसी है वह बात।

बात यह है कि बचपन में एक दिन मेरा भाई मुझे भूलकर खड़ब्बल खेल रहा था। छोटा होने के कारण अपनी पाली में उस दिन उन्होंने मुझे शामिल नहीं किया था। जीतने की खुशी में भाई ने मेरी और देखा तक नहीं। इससे में रो पड़ा। मैं अकेले खड़ब्बल को पत्थर पर फेंककर खेलते वक्त अचानक वह मेरे माथे पर लगा। भाई मेरे पास दौडकर आये। लेकिन मैं ने उसको रोका | माँ से मैंने झूठ कह दिया कि भाई ने मुझे मारा है। पिताजी ने उन्हें इस पर खूब पीटा। यह सज़ा मिलते समय भाई ने मुझपर करुणा भरी दृष्टि से देखा। भाई का वह कारुणिक अवस्था मेरी स्मृति में अब भी है। मैं उस गलती केलिए क्षमा माँगना चाहता हूँ। लेकिन कैसे? माँ-बाप मर गये। भाई यह बात भूल गया है। मेरा मन अशांत है। मित्र, तुम इसकेलिए एक परिहार बता दो।

मेरा विश्वास है कि तुम जवाब ज़रूर दोगे।

प्यार से,

(हस्ताक्षर)

नाम